भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001

संख्या: 590/संग्रहालय/आईआईआईडीईएम/2016 दिनांक: 16 जुलाई, 2018

अनुसंधान सहायकों के पद हेतु रिक्ति

यह एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान, भारत निर्वाचन आयोग में संग्रहालय परियोजना हेतु अनुसंधान सहायकों के पद के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2018 तक बढ़ा दी गई है। इस पद का विवरण नीचे दिया गया है:

परियोजना	आईआईआईडीईएम में **निर्वाचन और लोकतंत्र संग्रहालय** के विकास हेतु सामग्री की खोज, दस्तावेजीकरण और पुरालेखण।
स्थिति	अनुसंधान सहायक
पदो की संख्या	05
वेतनमान	भारतीय मुद्रा 25,000/-रू. (समेकित)। कोई अतिरिक्त यात्रा/महंगाई भत्ता नहीं दिया जाएगा।
भर्ती का आधार	दो माह के लिए संविदा आधार पर (आवश्यकता होने पर एक महीने आगे बढ़ाया जा सकता है।
पात्रता मानदंड	• राजनीतिक विज्ञान, आधुनिक इतिहास, विधि या कला और सौंदर्यशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि। • अभिलेखीय अनुसंधान की जानकारी और अनुभव। • उत्तम लेखन एवम् संप्रेषण कौशल। • एम-एस ऑफिस का अच्छा ज्ञान।

इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे “आरए-आईआईआईडीईएम के लिए आवेदन” विषय लिखकर अपना नवीनतम जीवन वृत (सीवी) एवं प्रयोजन संबंधी विवरण (500 शब्दों से अधिक नहीं) careers.iiidem@gmail.com पर 31 जुलाई, 2018 तक अवश्य भेज दें। चुने गए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु बुलाया जाएगा, जिसकी तारीख और समय के संबंध में बाद में सूचित किया जाएगा।

(राजीव रंजन)
अवर सचिव

भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान

भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली

विचारार्थ विषय

निर्वाचन और लोकतंत्र संग्रहालय, आईआईआईडीईएम, ईसीआई हेतु अनुसंधान सहायकों के पद हेतु

1. संदर्भ:

भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम), भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारका, नई दिल्ली में अपने नव-निर्मित कैम्पस में एक संग्रहालय अर्थात 'निर्वाचन और लोकतंत्र संग्रहालय' बनाने जा रहा है। इस संग्रहालय का उद्देश्य विषयगत दीर्घाओं में निर्वाचन और लोकतंत्र से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों और सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला, वैयक्तिकृत शिक्षण काउंटर पर श्रव्य-दृश्य और अभिलेखीय दस्तावेज प्रदर्शित करना और मतदान तथा निर्वाचन प्रक्रियाओं की तुलना में व्यावहारिक और मानसिक दृष्टि से आंगुतकों को शिक्षित करना है। इस संग्रहालय का मुख्य फोकस भारत के निर्वाचकीय लोकतंत्र के यादगार पलों और लोक हित की ऐतिहासिक सामग्री और भारत निर्वाचन आयोग के गठन से ही देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन सुनिश्चित कराने में ईसीआई द्वारा निभाई गई महती भूमिका का अभिलेखन और संग्रहण होगा।

2. औचित्य

इस संबंध में आईआईआईडीईएम के निर्वाचन और लोकतंत्र संग्रहालय में किसी आगुंतक को होने वाली श्रव्य, शाब्दिक और बौद्धिक अनुभूति का आकलन करने हेतु एक अवधारणा दस्तावेज तैयार किए जाने की आवश्यकता है। यह प्रस्तावित है कि अवधारणा दस्तावेज, आईआईआईडीईएम की रिसर्च टीम द्वारा तैयार किया जाए ताकि उसे एनएससीएम के साथ साझा किया जा सके। अवधारणा दस्तावेज तैयार करने और विषयगत दीर्घाओं में संभावित प्रदर्शों के लिए सामग्री का चुनाव करने के लिए समर्पित और सकेंद्रित रिसर्च टीम द्वारा 2-3 महीनों की अवधि में गहन अभिलेखीय अनुसंधान की अपेक्षा होगी।

3. पद की संख्या एवं उसका शीर्षक: 05 अनुसंधान सहायक

4. कार्य का विवरण: अनुसंधान सहायकों के उत्तरदायित्व में निम्नलिखित शामिल हैं:

क) राष्ट्रीय अभिलेखागार और भारत निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड कक्ष में अभिलेखीय अनुसंधान और अभिलेखीय सामग्री से जनहित के ऐतिहासिक दस्तावेजों, मूलपाठों, खंडों, रिकार्डों, तथ्यों, प्रतीकों की पहचान करना।

ख) अभिलेखीय निष्कर्षों का दस्तावेजीकरण, सूचीपत्र बनाना और संपादन करना।

ग) निर्वाचन अध्ययन के विद्वानों और वृत्तिकजनों के लिए आईआईआईडीईएम के निर्वाचन और लोकतंत्र संग्रहालय का स्वतंत्र लेखागार तैयार करना।

घ) निर्वाचन प्रबंधन के विशेषज्ञों और वृत्तिकजनों का साक्षात्कार करना और यदि आवश्यक हो, तो उसका लिप्यंतरण करना।

ङ) फोटोग्राफ और श्रव्य-दृश्य दस्तावेजों को एकत्र करना एवं सुरक्षित रखना।

च) संग्रहालय की विषयगत दीर्घाओं और अन्य शिक्षण संबंधी खंडों के लिए टेक्सट लिखना, उनका संपादन करना और उन्हें तैयार करना।

छ) वैश्विक निर्वाचन प्रशासन और प्रबंधन से संबंधित सामग्रियों का ऑनलाइन अनुसंधान और दस्तावेजीकरण।

5. पात्रता: अनुसंधान सहायक के पद हेतु आवेदन का मानदंड निम्नलिखित होगा:

(क) निम्नलिखित विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि:

विषय	*औचित्य*
राजनीति विज्ञान आधुनिक इतिहास विधि	लोकतांत्रिक संस्थानों, उनकी भूमिका और कार्यों का ज्ञान; संविधान और संवैधानिक इतिहास का ज्ञान; विधिक प्रणाली, अधिनियम, नियम और विधिक दस्तावेजों की जानकारी; अभिलेखीय अनुसंधान पद्धति में प्रवीणता।
कला और सौंदर्यशास्त्र	पद्धतियों, सामग्री और कला का ज्ञान; कला में विवरणात्मक कार्यनीतियां; संस्थानों का इतिहास विशेषतौर पर; संग्रहालय; दृश्य अध्ययन; अभिलेखीय अनुसंधान पद्धतियों में प्रवीणता।

(ख) उत्तम लेखन, संपादन और संचार कौशल

(ग) एमएस ऑफिस का उत्तम ज्ञान

(घ) ऐसे आवेदक वांछनीय है, जो अपने एम.फिल या डाक्टरेट कार्यक्रमों में अभिलेखीय शोध कर रहे हैं या जिन्हें अभिलेखाध्यक्ष के रूप में प्रासंगिक अनुभव है।

6. **प्रत्येक विषय में अनुसंधान सहायकों की संख्या और उनके लिए संभावित कार्य आबंटन** निम्नानुसार हो सकता है:-

अनुसंधान सहायक	*संख्या*	*अनुसंधान के विषयगत क्षेत्र*
राजनीति विज्ञान	02	• भारत निर्वाचन आयोग: संरचना एवं कार्य • निर्वाचक नामावली और मतदाता पंजीकरण • परिसीमन • निर्वाचकीय सत्यनिष्ठा • निर्वाचकीय छल-कपट और अनाचार • निर्वाचन व्यय और अनुवीक्षण • राजनीतिक दल • मतदान प्रक्रिया • निर्वाचन प्रशिक्षण • निर्वाचन सामग्री • विविध
आधुनिक इतिहास	01	• संविधान सभा संबंधी तर्क-वितर्क, • लोकसभा निर्वाचनों / राज्य विधान सभा निर्वाचनों / उप-निर्वाचनों / पुन: मतदान के महत्वपूर्ण मामले • भारत निर्वाचन आयोग का इतिहास, • भारत निर्वाचन आयोग के ऐतिहासिक निर्णय • भारत में मतपत्र और ईवीएम • भारत के निर्वाचकीय लोकतंत्र में ऐतिहासिक क्षण और परिवर्तन • विविध
विधि	01	• निर्वाचन विधि एवं सुधार, • लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (1950, 1951) और निर्वाचन संचालन नियम (1960, 1961) • निर्वाचन याचिका • निर्वाचन अधिकरण, • संविधान

		• निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति, • लोक सभा/राज्य सभा में सीटों का आबंटन, • अर्हता एवं निरर्हता, • विधिक अपवाद • विभिन्न अल्पसंख्यकों के लिए मताधिकार • विविध
कला एवं सौदंर्यशास्त्र	01	निर्वाचन सामग्री (मतपेटियां, मतपत्र, स्याही, गोंद, आदि) फोटोग्राफ, प्रतीक एवं राजनीतिक दलों को उनका आबंटन, भारत निर्वाचन आयोग का लोगो और इसका विकास, निर्वाचनों के संबंध में ऑडियो-विज़ुअल और चलचित्र, मीडिया और मतदाता शिक्षा, मतदाता पहचान, निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (एपिक), मतदाता पर्चियां विविध

7. समयसीमा और प्रदेय:

(क) अनुसंधान सहायकों से आशा की जाती है कि वे प्रासंगिक अभिलेखीय सामग्री को पढ़े और उसका दस्तावेजी करण करें तथा कार्य विवरण में यथोल्लिखित 3 माह की अवधि के भीतर, अंतरराष्ट्रीय निर्वाचन संबंधी सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों का पता लगाएं।

(ख) अनुसंधान सहायकों को प्रारंभ में दो महीने के लिए नियुक्त किया जाएगा, जिसे आवश्यकता होने पर एक महीने तक बढ़ाया जा सकता है।

ग) अनुसंधान सहायक अपने निष्कर्षों, स्रोतों और विषय-सामग्री, जो संग्रहित की जाएगी, के संबंध में प्रत्येक सप्ताह एक रिपोर्ट उपलब्ध कराएंगें। रिपोर्टों में संभावित प्रदर्शों/सामग्री/दस्तावेजों/अभिलेखों की सूची भी अवश्य उपलब्ध कराई जानी चाहिए जिसमें उन्हें संग्रहालय में रखने के औचित्य का सुस्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए तथा निष्कर्षों / संभाव्य प्रदर्शों / सामग्री / दस्तावेजों के संबंध में एक संक्षिप्त विश्लेषणात्मक विवरण भी होना चाहिए।

घ) अनुसंधान सहायक अंतिम संकल्पना दस्तावेज तैयार करने में भारत निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों और आईआईआईडीईएम अनुसंधान दल के सदस्यों की मदद करेंगे।

8.	अनुसंधान सहायकों (आरए) को **25,000/- रू. का समेकित पारिश्रमिक** दिया जा सकता है (अन्य संस्थानों में इसी पद के लिए दिए जाने वाले पारिश्रमिक का उदाहरण पताका/ए पर दिया गया है) चयनित अभ्यर्थियों को कोई अतिरिक्त यात्रा भत्ता / महंगाई भत्ता नहीं दिया जाएगा। अनुसंधान सहायकों के पास अपने स्वयं के लैपटॉप होने चाहिए।

9.	संविदा समाप्त होने के पश्चात अनुसंधान सहायकों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रमाण पत्र दिए जा सकते हैं।

10.	इच्छुक अभ्यर्थी को अपना जीवन - वृत्त (सीवी) (शैक्षणिक योग्यताओं और प्रासंगिक अनुसंधान अनुभव का उल्लेख करते हुए) और प्रयोजन संबंधी विवरण (500 शब्दों से अधिक न हो) भेजना अपेक्षित है। चुने गए अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा, उसके बाद साक्षात्कार होगा, जिसकी तारीख और समय तद्नुसार सूचित कर दिया जाएगा।